केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो० 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 45 बुधवार 3 सितम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बरसात से राहत, मुहल्लों में जल जमाव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती में मंगलवार को सुबह से शुरू हुई बारिश ने जनजीवन प्रभावित किया। दोपहर 2 बजे तक जिले में 5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। वायु प्रदूषण सूचकांक 100 दर्ज किया गया, जो सामान्य श्रेणी में आता है।

बारिश से रामेश्वरपुरी, बभनगांवा, कंपनीबाग आवास विकास, पुरानी बस्ती, तुर्कहिया और मंगलबाजार में जलभराव हो गया। स्थानीय निवासी प्रिया मल्ल, प्रीति सिंह और दिनेश कुमार ने नगर निकाय की जलनिकासी व्यवस्था पर सवाल उठाए। घरों और दुकानों के सामने पानी जमा होने से लोगों को आवागमन में परेशानी हुई।

नगर निकाय के दावों के विपरीत हर वर्ष बारिश में यही स्थिति बनती है। गली–मोहल्लों में कीचड़ और गंदगी फैल गई। बाजारों में जलभराव से व्यापारी और ग्राहक परेशान हुए। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में बारिश जारी रहने की संभावना है।

फर्जी कागजात बनाने के मामले में एक गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पुलिस ने फर्जी तरीके से जमीन की खरीद व बिक्री करने में सहयोगी आरोपी व दस हजार रुपये के इनामिया एक और वांछित को गिरफ्तार किया है। पुलिस कार्यालय के अनुसार नगर पुलिस ने आरोपी अजय कुमार निवासी मदनपुरा थाना कप्तानगंज को राजकोट तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। इससे पूर्व नगर पुलिस ने रविवार को आरोपी अरविन्द कुमार चौधरी और इन्द्रेश कुमार को गिरफ्तार किया था। थानाध्यक्ष विश्वमोहन राय ने बताया कि पकड़े गए आरोपी जालसाजी, षडयंत्र व धोखाधड़ी करके के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन की फर्जी खरीद व बिक्री में माहिर है। इनकी काफी दिनों से तलाश की जा रही थी।

विवेचना, सीडीआर व पूछताछ के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि आरोपी जमीन से संबंधित ग्राहक को चिह्नित करते थे। इनका साथी अजय कुमार क्रेता से जमीन के बारे में रेट तय करता था। अपने साथियों के साथ मिलकर फर्जी कागजात के साथ बैनामा करते थे। टीम ने आरोपी अजय कुमार को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष नगर विश्वमोहन राय, एसआई रामेश्वर सिंह, कांस्टेबल वीरेन्द्र यादव शामिल रहे।

बरसात में बढे बीमार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उमस भरी धूप और थोड़ी ही देर में बरसात का मौसम लोगों को बीमार बना रहा है। इस समय वॉयरल फीवर, जुकाम, बुखार के साथ काफी संख्या में लोग पीलिया के भी शिकार हो रहे हैं। बुखार होने पर चिकित्सक डेंगू, मलेरिया, टॉयफाइड आदि की जांच भी करा रहे हैं। वॉयरल के काफी मामले बच्चों में देखने को मिल रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि ज्यादातर बच्चे विद्यालयों से इंफेक्शन लेकर आ रहे हैं। एक बच्चे से वॉयरल बुखार पूरे घर में फैल रहा है। वॉयरल बुखार टॉयफायड में आगे चलकर परिवर्तित हो सकता है।

भारत ने बनाया सेमीकंडक्टर स्वदेशी चिप

नई दिल्ली (आभा)। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सेमीकॉन इंडिया 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत का पहला स्वदेश निर्मित विक्रम–32– बिट प्रोसेसर चिप भेंट किया, जो देश की सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता की यात्रा में एक मील का पत्थर साबित होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की सेमी कंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) द्वारा विकसित, विक्रम चिप देश का पहला पूर्णतः स्वदेशी 32–बिट माइक्रोप्रोसेसर है, जिसे विशेष रूप से अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान की कठिन परिस्थितियों के लिए डिजाइन और योग्य बनाया गया है।

इसके बारे में अधिक जानकारी देते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि भारत में एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र आ गया है। यह एक आधारभूत उद्योग है...सेमीकंडक्टर के साथ, आप बहुत सारे विनिर्माण कर सकते हैं। आपको कार, रेफ्रिजरेटर, स्कूटी, रक्षा, मोबाइल फोन, लैपटॉप के लिए इसकी आवश्यकता होती है। आपको हर चीज के लिए सेमीकंडक्टर चिप्स की आवश्यकता होती है। यह आज देश की एक प्रमुख आवश्यकता है। इसलिए, पीएम ने सेमीकंडक्टर उद्योग पर बहुत ध्यान केंद्रित किया है। 10 संयंत्रों में से 4 के लिए पायलट लाइन तैयार है।

उन्होंने कहा कि इस साल के अंत तक, सभी 4 पायलट लाइनों में उत्पादन शुरू हो जाएगा। पहली 'मेड इन इंडिया' चिप पीएम को भेंट की गई। भारत में प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए एक बड़ा काम किया जा रहा है। 278 विश्वविद्यालयों में सेमीकंडक्टर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह बहुत खुशी की बात है कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्रों ने पहले ही 20 चिप्स डिजाइन किए हैं। डिजाइनिंग के बाद, इनका निर्माण किया गया है। यह देश के दीर्घकालिक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

बाढ से तबाही, 29 की मौत

नई दिल्ली (आभा)। पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू–कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली समेत उत्तर भारत में बारिश जारी है। पंजाब के पठानकोट, फिरोजपुर समेत 12 जिले एक हफ्ते से बाढ़ की चपेट में हैं।

राज्य में 1,312 गांवों के 2.56 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक 29 लोगों की मौत हो गई है। भिवानी, हिसार, सिरसा, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पंचकूला में आज कुछ स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। गुरुग्राम के दफ्तरों में कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम के आदेश जारी किए गए हैं।

उधर, दिल्ली में यमुना नदी के खतरे के निशान को पार करने के बाद मंगलवार को ट्रांस–यमुना क्षेत्र की कई कॉलोनियों में पानी घुस गया। यमुना बाजार, मयूर विहार और आसपास के इलाकों की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को अपना जरूरी सामान लेकर राहत शिविरों में जाने की अपील की है।

उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में स्कूल–कॉलेज बंद हैं।

बेटे की डांट से बुजुर्ग मां की मौत, नवजात के जन्म की खुशी मातम में बदली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। क्षेत्र से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां बेटे की डांट से आहत होकर बुजुर्ग मां की मौत हो गई। मामला लालगंज थाना क्षेत्र के डीहीखास गांव का है। मृतका के पति दूधराम ने बताया कि उनके दूसरे नंबर के बेटे सुनील (30 वर्ष) की पत्नी ने 1 सितम्बर 2025 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी में बेटे को जन्म दिया था।

घर में खुशी का माहौल था । सुनील शराब पीने का आदी है। सोमवार रात 9.30बजे वह अधिक शराब पीकर घर पहुंचा और खर्चे को लेकर परिजनों से विवाद करने लगा। इस दौरान जब उसकी मां मालती देवी ने बीच–बचाव करना चाहा तो सुनील ने उन्हें तेज डांट दिया। पहले से ही हाई बीपी और शुगर की मरीज मालती देवी यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाईं और मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ीं।परिजन तत्काल उन्हें संभालने लगे लेकिन उनकी मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर गांव के चौकीदार प्रेमचंद ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर एडिशनल एसपी ओमप्रकाश सिंह, सीओ रुधौली स्वर्णिमा सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मयफोर्स मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने भी जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। नवजात के जन्म की खुशी में मातम छा जाने से पूरा परिवार और गांव गमगीन है।

आईजीआरएस के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं–डीएम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आईजीआरएस की साप्ताहिक बैठक जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की गई तथा उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा है कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध और संतोषजनक समाधान हो। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारियों को पूरी तत्परता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या टालमटोल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि शिकायतों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। केवल औपचारिक निस्तारण न किया जाए बल्कि ऐसा समाधान प्रस्तुत किया जाए जिससे शिकायतकर्ता संतुष्ट हो। बैठक में

अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजीव निगम, पीडी राजेश कुमार, डीडीओ अजय कुमार सिंह, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, डीपीआरओ घनश्याम सागर, उप जिलाधिकारी शत्रुघ्न पाठक, मनोज प्रकाश, हिमांशु कुमार, उमाकान्त तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश शुक्ला, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, जिला उद्यान निरीक्षक अरूण कुमार त्रिपाठी, एलडीएम आर.एन. मौर्या, ईडीएम सौरभ द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

बरसात में गिरा जिला पंचायत मार्केट का छज्जा: बाल–बाल बचे लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गांधीनगर स्थित जिला पंचायत मार्केट में मंगलवार दोपहर को छज्जा गिर गया। हादसे के समय वहां कई लोग मौजूद थे, लेकिन सौभाग्य से कोई हताहत नहीं हुआ। मार्केट की स्थिति पहले से ही जर्जर थी। जिला पंचायत प्रशासन ने इसे निष्प्रयोज्य घोषित कर दिया था। दुकानदारों को मार्केट खाली करने का नोटिस भी जारी किया गया था। फिर भी कुछ दुकानदार यहां अपना व्यवसाय जारी रखे हुए थे।

बारिश का पानी रिसने और दीवारों में सीलन के कारण भवन की स्थिति लगातार खराब हो रही थी। मंगलवार को तेज बारिश के दौरान अचानक छज्जा गिर गया। इस घटना से दुकानदारों और ग्राहकों में अफरा–तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर–उधर भागे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अगर छज्जा गिरते समय कोई नीचे खड़ा होता तो दुर्घटना हो सकती थी। बारिश के मौसम में जर्जर भवनों से जुड़ा खतरा और बढ़ गया है। यह घटना प्रशासन के लिए एक चेतावनी है कि पुराने भवनों पर तत्काल कार्रवाई की जरूरत है।

उद्योग बंधु की बैठक में उठे, डीएम ने दिये निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बन्धु व व्यापार बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुआ, जिसमें उन्होने उद्यमियों की समस्याओं को गहनता से सुना और उसका निराकरण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं का निराकरण करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय। उन्होने बैंक अधिकारियों से कहा कि पात्र उद्यमियों के ऋण संबंधी पत्रावलियों में अनावश्यक देरी ना की जाय। निवेश मित्र पोर्टल पर

विभागवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों को निर्धारित समयसीमा के भीतर निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

बैठक में व्यापार बन्धु समिति के सदस्यों ने अस्पताल चौराहे पर जाम, बड़ेवन सर्विस रोड पर नाली, महराजगंज सर्विस रोड पर नाले की समस्या, बभनान बाजार में छुट्टा पशुओं से जाम की समस्या, हडिया चौराहे पर सर्विस लेन की जर्जर सड़क सहित अन्य समस्याओं के संबंध में जिलाधिकारी को अवगत कराया। उन्होने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया।

बैठक का संचालन उपायुक्त (प्रशासन) राज्य कर उपेन्द्र यादव ने किया। इसमें सीडीओ सार्थक अग्रवाल, सीएमओ डा. राजीव निगम, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, आर.टी.ओ. फरीउद्दीन, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी अवधेश कुमार, चेम्बर्स आफ कामर्स के अध्यक्ष अशोक सिंह, इण्डस्ट्रियल डेवलपमेण्ट एसोसीएशन के अध्यक्ष अनिल सिंह रैकवार, चेम्बर्स आफ कामर्स के महासचिव एस.सी. शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी व समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

योगी कैबिनेट की बैठक में 15 प्रस्तावों को मिली मंजूरी, आउटसोर्स सेवा निगम का होगा गठन

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में आउटसोर्सिंग सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में मंगलवार को कुल 15 प्रस्तावों को स्वीकृति दी, जिसमें कम्पनीज एक्ट–2013 के सेक्शन–8 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी दे दी गई। यह एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी होगी, जिसे नान–प्रॉफिटेबल संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा।

इसके माध्यम से अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन सीधे विभाग नहीं करेंगे, बल्कि निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से एजेंसी का चयन करेगा। आउटसोर्स कर्मचारियों का चयन तीन वर्ष के लिए किया जाएगा। कर्मचारियों को 16 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय निर्धारित किया गया है। इस निर्णय के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक कर्मचारी को उसका पूरा हक मिले और उसका भविष्य सुरक्षित रहे। यह निर्णय न केवल लाखों युवाओं को बेहतर अवसर देगा, बल्कि प्रदेश में रोजगार और सुशासन का नया मॉडल भी स्थापित करेगा।

प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के विभिन्न विभागों और संस्थाओं में लंबे समय से आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से बड़ी संख्या में कार्मिक सेवाएं प्रदान कर रहे थे। लेकिन, लगातार यह शिकायतें सामने आ रही थीं कि उन्हें सरकार द्वारा स्वीकृत मानदेय का पूरा भुगतान नहीं मिल रहा। साथ ही ईपीएफ, ईएसआई जैसी अनिवार्य सुविधाओं का नियमित अंशदान भी कई बार एजेंसियों द्वारा नहीं किया जाता था। इन अनियमितताओं को खत्म करने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह निगम गठित किया गया है।

वित्त मंत्री ने बताया कि नई व्यवस्था में संवैधानिक प्रावधानों के तहत एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, दिव्यांगजन, भूतपूर्व सैनिक और महिलाओं को नियमानुसार आरक्षण मिलेगा। महिलाओं को मैटरनिटी लीव का भी अधिकार दिया जाएगा। कर्मचारियों की कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने के लिए समय–समय पर प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा, सेवा के दौरान कर्मचारी की मृत्यु होने पर 15 हजार रुपये अंतिम संस्कार सहायता के रूप में दिए जाएंगे।

मंत्री एके शर्मा के प्रस्ताव नगरीय परिवहन की सुविधा के लिए प्राइवेट ऑपरेटर को ई–चार्जिंग सहित नेट कॉस्ट बेसिक कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी दी गई है।

कानपुर और लखनऊ के 10 दस रूटों पर ई–बसें चलेंगी। एक बस की कीमत 10 करोड़ होगी। ये बसें 12 वर्ष के लिए कॉन्ट्रैक्ट के साथ आएंगी। किराया तय करने का अधिकार सरकार के पास रहेगा। लखनऊ और कानपुर के सभी रूट फाइनल हो गए हैं। हर रूट पर अभी एक बस दी जाएगी। टेंडर से ऑपरेटर का चयन किया जाएगा। सरकार उसे लाइसेंस देगी। चार्जिंग की व्यवस्था भी करेगी।

–पारिवारिक संपत्ति बंटवारे को लेकर बड़ी राहत: 5 हजार रूपये पंजीकरण शुल्क तय

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने परिवारों को बड़ी राहत देते हुए संपत्ति के बंटवारे में दस्तावेजों पर लगने वाले स्टाम्प शुल्क और पंजीकरण शुल्क की सीमा पांच हजार रुपये तय करने को मंगलवार को मंजूरी दे दी। राज्य सरकार ने एक बयान में कहा कि अब तक संपत्ति के बंटवारे पर संपत्ति के मूल्य पर चार प्रतिशत स्टाम्प शुल्क और एक फीसद पंजीकरण शुल्क लगाया जाता था, जिसकी वजह से परिवार संपत्ति के दस्तावेज दर्ज कराने से हतोत्साहित होते थे और दीवानी व राजस्व अदालतों में विवाद बढ़ते थे।

बयान में कहा गया है कि इस नए प्रावधान से मुकदमेबाजी कम होने, सौहार्दपूर्ण समाधान होने, भूमि और राजस्व रिकॉर्ड को अपडेट करने और बाजार में संपत्तियों की उपलब्धता आसान होने की उम्मीद है।

बधाई मांगने गये किन्नरों को मारा पीटा: पुलिस प्रशासन से किया दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बधाई मांगने गये किन्नरों के साथ मारपीट, गालिया देकर अपमानित करने, कपड़ा फाड कर पर्स में रखा 4 हजार रूपया, दो कानों की सोने की बाली छीन लिये जाने का मामला सामने आया है। मंगलवार को आरती किन्नर ने ट्रांसजेण्डर सुरक्षा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी सीओ रूधौली को पत्र देकर मारपीट करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग किया है।

पत्र में आरती किन्नर ने कहा है कि वह अपने गुरू काजल किन्नर हाल मुकाम बादशाह टाकीज के पीछे थाना कोतवाली की निवासी है और पारम्परिक रीति रिवाज के अनुसार समाज में बधाई मांग कर गुजर बसर करती है। 2 सितम्बर मंगलवार को वह गंदे नाले के पास टावर के समीप बने एक सफेद मकान के सामने साथी माही और जूही किन्नर के साथ खड़े होकर एक अन्य साथी का इन्तजार कर रहे थे। ठीक उसी समय मकान के मालिक जिनका नाम त्रिभुवन शुक्ल बताया उनके दो पुत्र अचानक गेट खोलकर बाहर आये और गालियां देने लगे, मारा पीटा, 4 हजार रूपया दो कानों की सोने की बाली छीन लिया। स्थानीय लोगों के आ जाने पर किसी तरह से जान बची। आरती किन्नर ने समूचे मामले की जांच, दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और रूपया, सोने के बाली की वापसी करने के साथ सुरक्षा की गुहार लगाया है।

बाबा, दादी को अपने ही परिवार से जान का खतरा, नाती ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जमीनी विवाद को लेकर नाती ने अपने बाबा के जान माल की रक्षा और उन्हें मारने, पीटने, गालियां देकर अपमानित करने के मामले में पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। एसपी को दिये पत्र में कलवारी थाना क्षेत्र के राजेश कुमार पुत्र स्वर्गीय जगजीवन राम ने कहा है कि उनके पिता तीन भाई अश्विनी कुमार, सुरेन्द्र कुमार और जगजीवन राम है। जगजीवन राम की मृत्यु हो चुकी है। जगजीवन राम के 5 बेटे प्रवीन कुमार, परिवर्तन कुमार, राजेश कुमार, सुरेश कुमार और दीपक कुमार अपने बाबा रामदेव की सेवा करते हैं। इससे प्रसन्न होकर रामदेव ने अपनी स्व अर्जित 10 विस्वा सम्पत्ति पांचों नातियों के नाम कर दिया। इससे अश्विनी कुमार, सुरेन्द्र कुमार और

उनका परिवार रामदेव से नाराज है। दिलीप कुमार, संदीप कुमार पुत्रगण सुरेन्द्र कुमार, अनूप कुमार पुत्र अश्विनी कुमार, प्रीती पुत्री अश्विनी कुमार ने रामदेव और उनकी पत्नी सुमित्रा देवी को भद्दी–भद्दी गालियां देकर मारा पीटा। किसी तरह से उनकी जान बची।

एसपी को दिये पत्र में राजेश कुमार ने कहा है कि उनके बाबा और दादी को अपने बेटों और उनके परिवार से ही जान माल का खतरा है। मांग किया है कि मामले में मुकदमा पंजीकृत कर उनके रामदेव और दादी सुमित्रा के जान माल की रक्षा कराया जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 सितम्बर 2025 बुधवार

सम्पादकीय

विनाशकारी बाढ

कई दशकों की सबसे बड़ी विनाशकारी बाढ़ की त्रासदी झेल रहे पंजाब में जन–धन की व्यापक क्षति हुई है। खेतों में खड़ी फसलें ही नष्ट नहीं हुई हैं बल्कि खेतों की उर्वरता की भी हानि हुई है। लेकिन जिस गति से उत्तर भारतीय राज्यों को बाढ़ ने अपनी चपेट में लिया है, उसको लेकर राहत की तत्काल प्रतिक्रिया केंद्र सरकार की तरफ से नजर नहीं आती। फिलहाल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और जम्मू–कश्मीर विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं। विनाशकारी बाढ़ ने व्यापक पैमाने पर फसलों को तबाह किया, घरों को तहस–नहस किया, पशु धन की बर्बादी हुई है और बाढ़ के पानी ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को तहस–नहस कर दिया है। इस आसमानी आफत के सामने लोग लाचार व असहाय नजर आ रहे हैं। नागरिक इस संकट के वक्त में शासन से जिस सहानुभूति और निर्णायक मदद की कार्रवाई की उम्मीद कर रहे थे, उसके बजाय नौकरशाही की सुस्ती और नाममात्र की घोषणाओं ने उन्हें निराश किया है। इस संकट की घड़ी में वे तंत्र की काहिली बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं है कि पंजाब पहले ही कृषि संकट से जूझ रहा था। लेकिन बाढ़ की तबाही ने उसके बड़े उपजाऊ क्षेत्र के संकट को और गंभीर बना दिया है। किसानों को अब सामान्य स्थिति बहाल करने में सालों लग जाएंगे। इसी तरह हिमाचल लगातार दूसरे वर्ष भी अतिवृष्टि जनित व्यापक तबाही की मार झेल रहा है। आपदाग्रस्त हिमाचल में सड़कों का ताना–बाना बिखर गया है। बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि ने व्यापक जन–धन की हानि की है। राज्य अभी बीते वर्ष की आपदा के जख्मों से उबरा नहीं था कि इस साल अतिवृष्टि ने भयावह तबाही का मंजर पैदा कर दिया। तमाम इलाकों से भूस्खलन और तबाही की खबरें आ रही हैं। राज्य ढहे पुलों और फंसे पर्यटकों के संकट से जूझ रहा है। इससे इस संवेदनशील पहाड़ी राज्य की अर्थव्यवस्था भी खतरे में पड़ गई है।

इसी तरह हरियाणा के अनेक गांव मुख्य भू–भाग से कट गए हैं। सड़कें नष्ट हुई हैं और मवेशी बह गए हैं। जम्मू–कश्मीर में बादल फटने की घटनाओं और बाढ़ ने व्यापक जन–धन की हानि की है। बाढ़ ने हजारों लोगों को विस्थापित कर दिया है। जिसके चलते राज्य का नाजुक सामाजिक और आर्थिक ताना–बाना बिगड़ गया है। केंद्र सरकार आपदा राहत की अनुग्रह राशि के चेक देकर और राहत से जुड़े बयानों तक सीमित नहीं रह सकती। इन राज्यों में विनाश के स्तर को देखते हुए तत्काल और ठोस हस्तक्षेप करने की जरूरत है। वक्त की मांग है कि इन क्षेत्रों के लिये विशेष राहत पैकेज की घोषणा हो। आपदा राहत निधि का त्वरित वितरण किया जाए। इसके साथ ही जरूरी है कि पीड़ित परिवारों को तुरंत सीधा वित्तीय हस्तांतरण किया जाए। यदि समय रहते ऐसे कदम नहीं उठाए जाते तो जनाकांक्षाओं के साथ छल ही होगा। केंद्र सरकार को राज्य पर सिर्फ जिम्मेदारी थोपते हुए ऋण को केंद्रीयकृत करने की अपनी प्रवृत्ति को त्यागना होगा। बाढ़ से बेहाल हुए पंजाब को राहत देने के लिये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य के बकाया साठ हजार करोड़ रुपये की मांग की है। निस्संदेह, जब पंजाब बाढ़ के गंभीर संकट से जूझ रहा है तो केंद्र से तत्काल सहायता पाना उसका हक बनता है। इसके साथ ही यहां यह भी जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकार आपस में संवादहीनता की स्थिति को खत्म करें। दोनों सरकारें स्वीकार करें कि बाढ़ का संकट गंभीर है और लोगों को राहत पहुंचाना दोनों सरकारों की प्राथमिकता बने। इस संकट की घड़ी से उबरने के लिये राजनीतिक मतभेदों को तत्काल दूर करने की आवश्यकता है। निस्संदेह, केंद्र सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावितों के लिये तत्काल मदद के रास्ते में आने वाली हर बाधा को दूर करने की जरूरत है। बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास, शीघ्र जल निकासी और राज्य सरकार और गैर सरकारी संगठनों के मजबूत समन्वय के लिए तत्काल आर्थिक सहायता की जरूरत है। इस संकट की घड़ी का मुकाबला सभी पक्षों के तालमेल व ईमानदार प्रयासों से ही संभव हो सकेगा।

रवई नदीः श्रवण कुमार की आस्था से संकटग्रस्त जीवनधारा तक

–अखिल कुमार यादव–

बस्ती जनपद की पहचान उसके गाँवों, खेतों और सांस्कृतिक परंपराओं के साथ–साथ उसकी नदियों से भी है। इन नदियों में से एक है रवई। लगभग 57 किलोमीटर लंबी यह नदी कभी गाँवों की प्यास बुझाती, खेतों को जीवन देती और लोककथाओं में जीवित रहती थी। आज वही नदी प्रदूषण, मिट्टी खनन, जलकुंभी और प्रशासनिक लापरवाही के कारण गंभीर संकट में है। हाल के वर्षों में कोइलपुरा में जिला प्रशासन के द्वारा नगर पालिका परिषद बस्ती की सुविधा के मद्देनजर स्थापित मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर (एमआरएफसी) ने इस स्थिति को और बढ़ा दिया है।

रवई का उद्गम बभनान कस्बे से पश्चिम, श्रवण पाकड़धाम के पास माना जाता है। यह स्थान श्रवण कुमार की कथा से जुड़ा है। श्रवण कुमार अपने नेत्रहीन मातादृपिता को तीर्थयात्रा पर ले जा रहे थे। सरयू तट पर जल लेने जाते समय राजा दशरथ के तीर से उनकी मृत्यु हो गई। जब उनके मातादृपिता को यह समाचार मिला, तो उनके आँसुओं से फूटी जलधारा आगे चलकर रवई नदी बनी। जनश्रुतियों के अनुसार, उन आँसुओं से बनी इस नदी का वास्तविक नाम "रोई नदी" पड़ा, क्योंकि यह श्रवण कुमार के मातादृपिता के रोने से जन्मी थी। समय के साथ भाषायी अपभ्रंश के कारण इसे रवई नदी कहा जाने लगा। विडंबना यह है कि आज यह नदी अपनी दुर्दशा पर मानो खुद आँसू बहा रही है।

भारत की समृद्ध परंपरा में लगभग हर नदीदृसंगम पर साल में एक बार मेला अवश्य लगता है। गंगादृयमुना का संगम, गंगादृवरुणादृअसी का संगम, तमसादृमंजुषा नदी का संगम जहां दुर्वासा ऋषि का आश्रम स्थापित है या अन्य नदियों के संगमकृसभी स्थान लोकआस्था और मेलों से आबाद रहते हैं। नदीदृसंगम केवल जलधाराओं का मिलन नहीं, बल्कि श्रद्धा और संस्कृति का अद्भुत संगम भी है। इन मेलों में जहाँ एक ओर धार्मिक आस्था प्रकट होती है, वहीं दूसरी ओर लोकजीवन की संस्कृति, व्यापार और उत्सव का रंग भी झलकता है। प्रयागराज का गंगादृयमुनादृसरस्वती संगम इसका सबसे विराट उदाहरण है। यहाँ माघ महीने में लगने वाला माघ मेला और बारह वर्षों में होने वाला कुंभ विश्वभर के श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। इसी प्रकार वाराणसी के गंगादृवरुणादृअसी संगम पर भी वर्ष भर आस्था के अनेक पर्व और स्नानदृउत्सव मेलों का रूप लेते हैं। बिहार के बक्सर में गंगादृघाघरा संगम विशेष रूप से कार्तिक पूर्णिमा पर जीवंत हो उठता है, जब हजारों श्रद्धालु स्नान और दीपदान के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। बलिया में गंगा–तमसा संगम छठ पर्व पर अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है, जब डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ लोकमेला सज उठता है। इसी कड़ी में बस्ती जिले का कुआनोंदृमनवर संगम भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहाँ लालगंज बाजार के निकट लगने वाला सालाना मेला केवल स्नान और पूजादृअर्चना का अवसर नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन का उत्सव होता है। मेले में लोकगीत गूंजते हैं, पारंपरिक नृत्य होते हैं, पशु और कृषि से जुड़े हाटदृव्यापार सजते हैं और गाँवदृगाँव से आए लोग आपसी मेलजोल और सांस्कृतिक आदानदृप्रदान का हिस्सा बनते हैं। बस्ती के कुदरहा विकास खंड के लालगंज में कुआनो और मनवर नदियों के संगम तट पर लगने वाले इस प्रसिद्ध मेले को लालगंज का कुआनो मनवर संगम तट मेला कहते हैं, जो चौत्र पूर्णिमा से शुरू होता है और 5 दिनों तक चलता है। ऐसा माना जाता है कि यह पुण्य क्षेत्र महर्षि उद्दालक की तपोभूमि हैं, जो उपनिषद् युग के श्रेष्ठ तत्ववेत्ताओं में मूर्धन्य चिंतक थे। इनके बचपन का नाम आरुणि था। गुरु आज्ञा पालन के कारण इन्हें गुरुभक्त आरुणि के रूप में भी प्रसिद्धि मिली। यह मेला श्रद्धालुओं और खरीदारों के लिए आकर्षण का केंद्र है, जहाँ लकड़ी, बर्तन, और कॉस्मेटिक्स जैसी वस्तुओं की बिक्री होती है।

लेकिन रवई और कुआनो के संगम पर मेला नहीं लगता। लोकश्रुति कहती है कि चूँकि यह धारा श्रवण कुमार के मातादृपिता के आँसुओं से जन्मी थी, इसलिए हमारे पूर्वजों ने यहाँ मेला लगाना उचित नहीं समझा। आँसुओं से बनी इस नदी के संगम को पवित्र तो माना गया, लेकिन आनंददृउत्सव का स्थल नहीं बनाया गया। यही कारण है कि यह संगम भारत की परंपरा से अलग अपनी अनूठी पहचान रखता है।

इसी 57 किलोमीटर की धारा के दोनों किनारों पर लगभग हर दो किलोमीटर की दूरी पर लोकआस्था के गहन प्रतीक समय माता के मंदिर स्थापित हैं। इनमें थुकहा समय माता मंदिर, कटरा बुजुर्ग और कोइलपुरा समय माता मंदिर की प्रसिद्धि दूरदृदूर तक फैली हुई हैं। इन मंदिरों ने नदी को केवल जलधारा ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जीवन का हिस्सा भी बनाया है।

आज रवई एक मौसमी नदी की तरह व्यवहार करती है। बरसात में यह पानी से लबालब भर जाती है और उफान पर रहती है, लेकिन गर्मियों या बरसात न होने की स्थिति में कई स्थानों पर पूरी तरह सूख जाती है और केवल छोटे–छोटे जलकुंड दिखाई देते हैं। इसके अतिरिक्त, नदी में जलकुंभी का जाल फैल गया है, जो जलधारा को बाधित करता है और पानी की गुणवत्ता को और अधिक घटा देता है। जलकुंभी न केवल जलीय जीवन के लिए खतरा बनती है, बल्कि इसके कारण नदी किनारे कटान की प्रक्रिया भी तेज हो रही है। इससे मछलियों व अन्य जलीय जीवों का प्राकृतिक आवास क्षतिग्रस्त हो रहा है और किसानों एवं स्थानीय लोगों की जीवनधारा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बरसात में यह पानी से लबालब भर जाती है और उफान पर रहती है, लेकिन गर्मियों या बरसात न होने की स्थिति में कई स्थानों पर पूरी तरह सूख जाती है और केवल छोटेदृछोटे जलकुंड दिखाई देते हैं। इस समस्या का स्थायी समाधान यह हो सकता है कि सरयू नहर खंड की नहरों को सीधे इसमें जोड़ा जाए। इससे न केवल नहर का पानी बहाव पाकर ठहराव से बचेगा, बल्कि नदी में जल का प्रवाह भी वर्षभर बना रहेगा और पशुपालकों एवं किसानों को स्थायी राहत मिलेगी।

आज रवई नदी और उसकी सांस्कृतिक धारा गंभीर संकट में हैं। नदी का प्रवाह घट गया है, किनारे मिट्टी खनन से खोखले हो गए हैं, और नालों व गंदगी ने इसे दूषित कर दिया है। जलीय जीवन लगभग समाप्त हो चुका है और बरसात में कटान का खतरा बढ़ गया है। और इन सबमें एक बड़ी वजह कोइलपुरा का एमआरएफ सेंटर भी है। 38 लाख रुपये की लागत से बने इस केंद्र का उद्देश्य कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण और पुनर्चक्रण योग्य वस्तुओं की बिक्री से राजस्व जुटाना था। लेकिन मशीनें बंद हैं, कचरे का पृथक्करण नहीं हो रहा और गंदा पानी सीधे नदी में गिर रहा है। परिणामस्वरूप नदी किनारे बसे गाँव दुर्गंध और गंदगी से त्रस्त हैं। दूषित जल मानव और पशु स्वास्थ्य के लिए खतरा है। यहाँ तक कि पौराणिक समय माता मंदिर और पास में ही बने वृहद गो संरक्षण केंद्र का पवित्र वातावरण भी प्रभावित हो रहा है।

रवई को पुनः जीवनदायिनी बनाने के लिए ठोस कदम अनिवार्य हैं। नदी का सीमांकन और अतिक्रमण हटाना, एमआरएफसी को पुनः सक्रिय करना और मशीनों का संचालन, हर स्तर पर सूखे और गीले कचरे का पृथक्करण, गंदे पानी को सीधे नदी में गिरने से रोकने के लिए ट्रीटमेंट प्लांट, नदी किनारे वृक्षारोपण और निरंतर सफाई अभियान, और जल गुणवत्ता की निगरानी हेतु पारदर्शी डेटा प्रणालीकृये सभी कदम नदी को फिर से जीवन देने में मदद करेंगे।

भारतीय परंपरा में जल को जीवन और ऊर्जा का स्रोत माना गया है। ऋग्वेद में कहा गया हैकृ"आपो हि ष्ठा मयोभुवः ता न ऊर्जे दधातन।" अथर्रू हे जल! तुम सुख और समृद्धि देने वाले होय हमें ऊर्जा और पोषण प्रदान करो। इस दृष्टि से नदियों का संरक्षण केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कर्तव्य भी है।

रवई नदी की कहानी केवल जलधारा की स्थिति नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का आईना है। श्रवण कुमार के मातादृपिता के आँसुओं से जन्मी यह नदी आस्था और करुणा का प्रतीक रही है। लेकिन आज यह दूषित और संकटग्रस्त है। सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि चूँकि यह नदी बस्ती जैसे पिछड़े जिले में बहती है, इसलिए मुख्यधारा मीडिया ने कभी इसकी दुर्दशा पर सवाल नहीं उठाया, जबकि यदि यही नदी दिल्लीदृएनसीआर या अन्य विकसित क्षेत्रों में होती, तो इसे हिंडन नदी की तरह राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बनाया जाता। समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियाँ रवई को केवल लोककथाओं और इतिहास की नदी के रूप में जानेंगी। लेकिन यदि प्रशासन और समाज मिलकर प्रयास करें, तो यह धारा फिर से वैसी ही जीवनदायिनी बन सकती है, जैसी इसे आँसुओं ने जन्म दिया था और आस्था ने सँजोया था। रवई का पुनर्जीवन केवल एक नदी का नहीं, बल्कि एक पूरी सांस्कृतिक धारा का पुनर्जागरण होगा।

चीनी चक्रव्यूह पर अमेरिका की पैनी निगाहें

–पुष्परंजन–

एससीओ बैठक में शी और मोदी के बीच मेल मिलाप को देखकर हम कह सकते हैं, कि हिन्द प्रशांत में अब चीन–भारत के बीच टकराव की स्थिति नहीं रहेगी। ट्रंप ने टैरिफ वार में भारत जैसे मित्र को हिन्द–प्रशांत में खोया है, यह अमेरिकी रणनीतिकार भी महसूस कर रहे हैं। अमेरिका की अर्थव्यवस्था चाहे भाड़ में जाए, ट्रंप को अपनी कमाई करनी है। डोनाल्ड ट्रम्प ने 'क्रिप्टो प्रेसिडेंट' बनने का वादा किया है। इसी सिलसिले में उनके सुपुत्र एरिक ट्रम्प, सोमवार को टोक्यो में जापानी बिटकॉइन ट्रेजरी कंपनी मेटाप्लेनेट के शेयरधारकों की बैठक में शामिल हो रहे हैं। वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (डब्ल्यूएलएफ) क्रिप्टो करेंसी को देखता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया, कि अगस्त, 2025 में 'डब्ल्यूएलएफ' टोकन का कुल मूल्य 6 बिलियन डॉलर था, और ट्रम्प स्वयं उनमें से दो–तिहाई के मालिक थे। एक दूसरी तस्वीर चीन के बंदरगाह शहर थिएनचिन की थी, जहां शांघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) की बैठक सोमवार को समाप्त हुई है। इस बैठक में डॉलर की वैकल्पिक मौद्रिक अर्थव्यवस्था पर एकबार फिर से जोर दिया गया है। इस बार की एससीओ बैठक का केंद्रीय मुद्दा था, ट्रंप के टैरिफ वॉर का मुकाबला करना। 'दुश्मन का दुश्मन, दोस्त होता है', इसी फार्मूले पर वो नेता भी पधारे, जिन्हें एक–दूसरे की शक्ल तक देखना काबिले बर्दाश्त नहीं।

इस संगठन की स्थापना 2001 में 'यूरेशियन सुरक्षा समूह' के रूप में हुई थी, जिसके छह मूल सदस्य थेकृचीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान। बाद के दिनों में इसका नामांतरण शांघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) के रूप में हुआ, जिसमें बेलारूस, भारत, ईरान और पाकिस्तान के जुड़ने के साथ, इसके 10 सदस्य देश हो गए। 'एससीओ' को पश्चिमी देशों के एशियाई प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जाता है। इस बार की बैठक में बहुपक्षीय विकास पर जोर दिया गया। लेकिन ध्यान से देखा जाये, तो चीन और रूस यह सारी कवायद अपनी अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए कर रहे हैं। पिछले साल शांघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्यों के साथ चीन का व्यापार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया, कुल मिलाकर लगभग 512.4 अरब अमेरिकी डॉलर, जो साल–दर–साल 2.7 प्रतिशत की वृद्धि है। यह आंकड़ा 2018 में कघ्गिदाओ में हुए 'एससीओ' शिखर सम्मेलन के दौरान दर्ज किए गए आंकड़ों से दोगुना है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले साल चीन ने अन्य सदस्य देशों से लगभग 90 अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और कोयला आयात किया था।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस बैठक की बिना पर एससीओ सदस्य आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर सकते हैं। संगठन द्वारा अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी नेतृत्व वाले वित्तीय संस्थानों से अलग भुगतान प्रणालियों और मुद्राओं के व्यापक उपयोग पर जोर दिए जाने की संभावना है। किन्तु, सवाल है, किस मुद्रा का उपयोग? केवल चीनी युआन और रूसी रूबल को भुगतान के लिए इस्तेमाल में लिया जाये, या भारतीय मुद्रा की भी कोई हैसियत होगी?

लेकिन सवाल है, क्या सभी सदस्यों को सामान अवसर मिलेंगे? चीन का फोकस, 'बेल्ट–रोड इनिशिएटिव' को और आगे बढ़ाना है। पुतिन, यूक्रेन में शांति के सवाल पर एससीओ सदस्य देशों से अपनी रणनीति साझा करेंगे, इतना उन्होंने आश्वासन दिया। ट्रम्प के टैरिफ युद्ध का समवेत मुकाबला कैसे करना है, अभी उस पर कोई ठोस कार्यक्रम बनता नहीं दिख रहा है। शिखर सम्मेलन में सदस्य देश, एससीओ के संवाद सहयोगी और पर्यवेक्षकों के अलावा 20 विश्व नेता इंडोनेशिया, मलेशिया, मंगोलिया, मिस्र और तुर्की के राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल थे। लेकिन, इतने जमावड़े के बावजूद टैरिफ से मुकाबले के सवाल पर मुट्ठी नहीं खोली गई। चीन–भारत राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए, शी ने मोदी से मुखातिब होकर कहा, कि दोनों एशियाई पड़ोसियों को अपने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, और सीमा मुद्दे को समग्र चीन–भारत संबंधों को परिभाषित नहीं करने देना चाहिए। एससीओ बैठक में शी और मोदी के बीच मेल मिलाप को देखकर हम कह सकते हैं, कि हिन्द प्रशांत में अब चीन–भारत के बीच टकराव की स्थिति नहीं रहेगी।

नये युग में जापान–भारत मैत्री

– मृत्युंजय दीक्षित–

अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के कारोबारी समूहों को भारत में निवेश का आमंत्रण दिया। उन्होंने जापान में बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि जापान तकनीक का पावर हाउस है और भारत प्रतिभा की महाशक्ति। अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में ठहराव आने और टैरिफ विवाद के मध्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा से दोनों देशों के मध्य जहां मैत्री प्रगाढ़ हो रही है वहीं नए अवसरों का युग भी प्रारंभ हो रहा है। जापान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गायत्री मंत्र तथा संस्कृत के श्लोकों के साथ अत्यंत भव्य स्वागत हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जापान की धरती पर पैर रखने से पहले जापान ने अमेरिका के साथ अपनी द्विपक्षीय वार्ता स्थगित करके वार्ताकारों के दल की वाशिंगटन यात्रा टाल दी। यह एक अत्यंत साहसिक और कड़ा संदेश है कि अब विश्व के देश अमेरिका के आगे नतमस्तक होने वाले नहीं हैं। ज्ञातव्य है कि अमेरिका लगातार जापान पर भी टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस यात्रा से पूर्व भी सात बार जापान की यात्रा कर चुके हैं किंतु ताजा यात्रा कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण व ऐतिहासिक रही। यात्रा में पहली बार जापान के साथ व्यापक सुरक्षा समझौता हुआ है तथा जापान ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की नीतियों का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा के साथ शिखर वार्ता की। इस वार्ता का उद्देश्य भारत और जापान के बीच व्यापार, निवेश और उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों सहित समग्र द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तारित करना था। दोनो देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए।

अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के कारोबारी समूहों को भारत में निवेश का आमंत्रण दिया। उन्होंने जापान में बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि जापान तकनीक का पावर हाउस है और भारत प्रतिभा की महाशक्ति। दोनों देश मिलकर इस सदी की प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व कर सकते हैं विशेष रूप से एआई, सेमी कंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी व अंतरिक्ष, मेट्रो नेटवर्क, विनिर्माण तथा स्टार्टअप के क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि जापान हमेशा से भारत की विकास यात्रा में एक प्रमुख भागीदार रहा है। स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में संभवित सहयोग पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा के दौरान 10 साल का आर्थिक रोडमैप तैयार किया गया है जिसके अंतर्गत जापान भारत में छह लाख करोड़ का निवेश करेगा। इससे पूर्व भारत–जापान शिखर वार्ता के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, विश्व की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और जीवंत लोकतंत्र के रूप में हमारी साझेदारी केवल दोनों देशों के लिए ही नहीं अपितु वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक बेहतर विश्व को आकार देने में मजबूत लोकतांत्रिक देश स्वाभविक साझेदार होते हैं। आज हमने अपनी साझेदारी में एक नए और सुनहरे अध्याय की नींव रखी है। हमने अगले दशक के लिए एक रोडमैप बनाया है।

प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे की एक विशेष बात यह भी रही कि भारत –जापान साझेदारी कोजापान में द्विदलीय समर्थन प्राप्त है। प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों योशीहिदे सुगा और फूमियो किशिदा से मुलाकात की। उन्होंने वहां के संसद अध्यक्ष व सांसदों के समूह के साथ चर्चा की। एक अनोखी पहल के तहत जापान के 16 राज्यों के गवर्नर ने प्रधानमंत्री से मुलाकात और निवेश आदि पर व्यापक चर्चा की। प्रधानमंत्री ने जापान के प्रधानमंत्री के साथ बुलेट ट्रेन में यात्रा की और भारतीय ड्राइवरों के साथ चर्चा की।अब इस बात की प्रबल संभावना है कि भारत में भी जल्द ही बुलेट ट्रेन का संचालन शुरू हो जाएगा जिसकी तैयारी चल रही है।

भारत और जापान के बीच रक्षा, मानव संसाधन आदान–प्रदान, डिजिटल नवाचार, क्रिटिकल मिनरल्स, क्लीन एनर्जी, अंतरिक्ष सहयोग और सांस्कृतिक साझेदारी सहित कुल 21 समझौते हुए हैं जो भारत–जपान मैत्री के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा अधिकांश समय प्रधानमंत्री मोदी के साथ रहे। जापान के साथ हुए 21 द्विपक्षीय समझौते ही 21वीं सदी के नए भारत की नई विकासगाथा लिखने वाले हैं। भारत और जापान के मध्य हुई इस अहम साझेदारी का दर्द अमेरिका भूल नहीं पाएगा। उसे भारत के साथ अपने रिश्ते बिगाड़ने की गलती का निश्चित रूप से पछतावा होगा। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत –जापान का अगले दशक के लिए संयुक्त दृष्टिकोण का डाक्यूमेंट भी जारी किया है।

अभद्र भाषा का प्रयोग करने से तहसीलदार पर भड़के अधिवक्ता

संवाददाता–बलरामपुर। नामांतरण के एक मामले में सदर तहसीलदार से मिलने गए अधिवक्ता की उनके चौम्बर में ही कहा सुनी हो गई। तहसीलदार ने कोतवाली देहात में फोन कर मौके पर पुलिस कर्मियों को बुला लिया। अधिवक्ताओं की मानें तो तहसीलदार ने वकीलों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किया, जिससे अधिवक्ता आक्रोशित हो उठे। परिसर में मौजूद राजस्व कर्मियों व अन्य लोगों के बीच बराव कराने से बवाल तो टल गया, लेकिन वकील तहसीलदार के स्थानांतरण की मांग अड़ गए। अधिवक्ताओं का प्रतिनिध मंडल सदर एसडीएम से मिला, जिन्होंने मामले से जिलाधिकारी को अवगत कराने की बात कही है। सदर तहसील में विधि व्यवसाय कर रहे अधिवक्ता संतोष पाण्डेय नामांतरण के एक मामले में सोमवार को दिन करीब 11 बजे तहसीलदार विश्वदीप तिवारी से मिलने गए।

वार्ता के दौरान किसी बात को लेकर अधिवक्ता व तहसीलदार में कहासुनी हो गई। तहसीलदार के चौम्बर में मौजूद राजस्व कर्मी अधिवक्ता को समझा बुझाकर चौम्बर से बाहर ले आए। कुछ ही देर बाद तहसीलदार ने कोतवाली देहात की पुलिस को मौके पर बुला लिया। अधिवक्ताओं का आरोप है कि पुलिस बल के पहुंचने के बाद तहसीलदार ने वकीलों के प्रति अपशब्दों का प्रयोग किया। वकीलों के प्रति अभद्र भाषा सुनकर अधिवक्ता आक्रोशित हो उठे और तहसीलदार की चौम्बर की ओर बढ़ चले। वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने तहसीलदार को उनके कक्ष में बैठाकर बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। पुलिस व राजस्व कर्मियों ने वकीलों को समझाया बुझाया। लेकिन अधिवक्ता मानने को तैयार नहीं थे। वकीलों का आरोप है कि सदर तहसीलदार पूरे दिन नशे में रहते हैं। उनका न्यायिक कार्यों में अधिवक्ताओं के प्रति व्यवहार कतई ठीक नहीं है। मामले की जानकारी होने पर सदर एसडीएम ने अधिवक्ताओं को अपने चौम्बर में बुलवाया। जिस पर जिला बार संघ अध्यक्ष अजय बहादुर सिंह, कलेक्ट्रेट बार संघ अध्यक्ष रमेश चन्द्र त्रिपाठी, राम गोपाल पाण्डेय, राजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी व अन्य अधिवक्ता एसडीएम से मिलने गए। वकीलों ने एसडीएम से मांग किया कि तहसीलदार को सदर तहसील से अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। उनके स्थान पर नायब तहसीलदार को प्रभार दे दिया जाए। अधिवक्ताओं ने तहसीलदार के व्यवहार की निंदा की, जिस पर एसडीएम ने कहा कि मामले की जानकारी डीएम को दी जाएगी। वहीं वकीलों ने कहा कि यदि जल्द ही सदर तहसीलदार का स्थानांतरण नहीं किया जाता है तो वे आगामी रणनीति तय करेंगे।

बाइक को बचाने में नाले में गिरी एसयूवी, तीन की दर्दनाक मौत

संवाददाता–बलरामपुर। कोतवाली देहात क्षेत्र के नरकटिया गांव के पास मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। बाइक सवार को बचाने के प्रयास में एक एसयूवी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में जा गिरी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। उतरौला क्षेत्र से पांच लोग एसयूवी (बोलेरो) में सवार होकर इलाज कराने बहराइच जा रहे थे। वाहन चालक गुलाम रसूल फुलवरिया बाईपास होकर नरकटिया गांव के पास पहुंचा ही था कि अचानक सामने से एक बाइक आ गई। उसे बचाने के प्रयास में चालक ने गाड़ी मोड़ी तो वाहन सीधे सुआव नाले में जा गिरा।

हादसे में प्रेमा देवी (30) पत्नी तुलाराम निवासी बायभीट की मौके पर मौत हो गई। उनके बहनोई सिताराम (50) निवासी गनेशपुर, उतरौला ने भी दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल बहरैच निवासी कांधभारी (25) को मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय ने बताया कि मृतका प्रेमा देवी के पति तुलाराम घायल हैं और जिला अस्पताल में भर्ती हैं। चालक गुलाम रसूल को भी चोटें आई हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

बाढ़ से बचाव का अभ्यासः एनडीआरएफ ने दिखाए 5 तरह के रेस्क्यू, ग्रामीणों को दी ट्रेनिंग

संवाददाता–देवरिया। बरहज क्षेत्र में एनडीआरएफ ने बाढ़ से बचाव का व्यापक अभ्यास किया। यह मॉक ड्रिल मंगलवार को तहसील बरहज के गौरा घाट पर आयोजित की गई। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और एनडीआरएफ की 11वीं बटालियन ने संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम का आयोजन किया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के निर्देश और आईजी मनोज कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में यह अभ्यास हुआ। एनडीआरएफ गोरखपुर के उपकमांडेंट कुलदीप सिंह ने इसका नेतृत्व किया। अपर जिलाधिकारी राम शंकर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। एनडीआरएफ के 30 जवानों ने पांच अलग–अलग आपदा स्थितियों में बचाव का प्रदर्शन किया। पहले दृश्य में सरयू नदी का जलस्तर बढ़ने पर दो बोटों से 10 ग्रामीणों को बचाया गया। दूसरे में नाव से गिरे यात्रियों के बचाव और प्राथमिक उपचार का प्रदर्शन किया गया। जवानों ने सीपीआर देने का तरीका भी बताया। तीसरे दृश्य में गोताखोरों ने नदी में लापता व्यक्ति की खोज की। चौथे में पलटी नाव से यात्रियों के बचाव का अभ्यास किया गया। पांचवें दृश्य में ग्रामीणों को घरेलू सामान से अस्थायी लाइफ जैकेट बनाने और उसके उपयोग की जानकारी दी गई। अपर जिलाधिकारी राम शंकर ने बताया कि बरहज क्षेत्र बाढ़ प्रभावित रहता है। ऐसे अभ्यास से ग्रामीणों का आत्मविश्वास बढ़ता है। मौके पर उप जिलाधिकारी विपिन द्विवेदी, तहसीलदार अरुण कुमार समेत कई अधिकारी मौजूद थे। सैकड़ों ग्रामीणों ने बचाव के तरीके सीखे।

सत्संग से रोक सकते हैं धर्म परिवर्तन–ओम प्रकाश आर्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। भारत में पांव पसार रहे ईसाईयत और इस्लाम अब जिले तक दस्तक दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला नरहरिया में प्रकाश में आया है जिसका हिन्दू संगठनों द्वारा विरोध करते हुए इस षडयंत्र का पर्दाफाश किया गया।

इसी कड़ी में ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने जिले में फैलते ईसाइयत के बारे में खेद प्रकट करते हुए आम जनमानस को अपने सत्य सनातन वैदिक धर्म पर अडिग रहने के लिए अपने धर्मशास्त्रों के अध्ययन की सलाह दी। इसके अलावा महर्षि दयानन्द कृत सत्यार्थ प्रकाश का भी अध्ययन करने का सुझाव दिया। उन्होंने इस कांड का पर्दाफाश करने वाले विश्व हिन्दू महासंघ के अध्यक्ष अखिलेश सिंह को सत्यार्थ प्रकाश भेंट कर इसके अध्ययन का सुझाव दिया जिससे इस कार्य में और सम्बल प्राप्त हो। उन्होंने बताया कि महर्षि दयानन्द सरस्वती ने सत्यार्थ प्रकाश के तेरहवें और चौदहवें समुल्लास में ईसाई और इस्लाम के बारे में निष्पक्ष होकर उन्हें वैदिक धर्म का आईना दिखाया है। साथ ही यह जानकारी दी कि धर्म केवल सनातन वैदिक ही है शेष मत और मजहब हैं जिस पर आचरण करके व्यक्ति अपने उत्तम गंतव्य तक नहीं बच सकता। उन्होंने हिंदुओं को वेदों की ओर लौटने का आह्वान किया। तभी वह भटकाव से बच सकते हैं। कहा कि कमजोर दलित और पिछड़े वर्ग के अभावग्रस्त परिवारों को धन आदि का लालच देकर उनका धर्म परिवर्तन कराते हैं। भोली हिन्दू जनता अपने धर्म की जानकारी के अभाव में इनका शिकार बन जाती है।आर्य ने हिंदू समुदाय को जागरूक रहने और धर्मांतरण की रणनीतियों का मुकाबला करने के लिए एक ठोस योजना बनाकर अपने धर्म पर अडिग रहने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक आदित्यनारायण गिरि, शिक्षक अनूप कुमार त्रिपाठी, दिनेश कुमार, अरविन्द श्रीवास्तव, नितेश कुमार, शिवांगी गुप्ता, अंशिका पाण्डेय, स्वप्नल आदि सम्मिलित रहे।

रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ इंस्पेक्टर पर हमलाः किन्नर बनकर यात्रियों से वसूली करने वाले 7 आरोपी पकड़े, जेल भेजा

संवाददाता–देवरिया। रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ इंस्पेक्टर आस मोहम्मद पर हमला करने वाले फर्जी किन्नर गिरोह के सात सदस्यों को जीआरपी ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। जीआरपी थाना देवरिया ने दो सितंबर को कसया ओवरब्रिज पर पांच आरोपियों को पकड़ा। इनमें भटनी के बिट्टू कुमार उर्फ नैना, भलुअनी के यशवंत कुमार उर्फ मुस्कान, बिहार के चित्रंजन उर्फ काजल, त्रिपुरा के विकास वर्मन उर्फ रसीली और असम के राबिन करमकर उर्फ पूजा शामिल हैं। एक सितंबर को रेलवे स्टेशन परिसर से दो और आरोपी पकड़े गए। इनमें भाटपार रानी के आलमगीर अंसारी उर्फ चन्दा और बरहज के साहिल उर्फ सोनम हैं। पूछताछ में सभी ने स्वीकार किया कि वे असली किन्नर नहीं हैं। ये लोग किन्नर का भेष धरकर यात्रियों को धमकाते और पैसे न देने पर मारपीट करते थे। 31 अगस्त की रात देवरिया सदर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों और पुलिस पर हमले में भी इनकी संलिप्तता सामने आई है। जीआरपी थाना प्रभारी दिनेश कुमार पाण्डेय के अनुसार सभी आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई से रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में सक्रिय फर्जी किन्नरों की गतिविधियों पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

नाले के किनारे मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

संवाददाता–महराजगंज। सिन्दुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम मोहनापुर में मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब नाले के किनारे एक युवक का संदिग्ध हालत में शव मिला। ग्रामीणों की मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कराई। लोगों ने शव की पहचान मोहनापुर निवासी अमर यादव पुत्र संत यादव के रूप में की। घटनास्थल के हालात देखते हुए ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पूछताछ के लिए एक संदिग्ध को उठाया है। बताया जा रहा है कि 35 वर्षीय अमर यादव सोमवार की शाम अपने घर से चौराहे की ओर गया था। देर तक जब नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। हर संभव जगह पर उसकी तलाश की गई, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। मंगलवार की सुबह अमर यादव का शव उसके घर से करीब 20 मीटर दूर नाले के किनारे पड़ा मिला। मृतक की पत्नी मीना ने बताया कि सोमवार देर रात डायल–112 की टीम घर पहुंचकर अमर के बारे में पूछताछ कर रही थी। पुलिसकर्मियों ने बताया कि अमर ने मोबाइल से सूचना दी थी कि उसकी किसी से मारपीट हो रही है। परिजन खोजबीन में जुटे थे लेकिन वह कहीं नहीं मिले। सुबह शव मिलने से परिवार का शक और गहरा गया कि हत्या कर शव को घर के पास फेंका गया है। मृतक अमर यादव अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसके बुजुर्ग माता–पिता, पत्नी मीना और तीन छोटे–छोटे बच्चे अंशिका (12), प्रियांशु (8) और दिव्यांशु (5) हैं। अचानक हुई इस दर्दनाक घटना से पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है। गांव में युवक की संदिग्ध मौत से दहशत का माहौल है। हत्या की आशंका जताते हुए लोग जल्द से जल्द खुलासा करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार राय ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल एक संदिग्ध को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। जल्दी मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

शतरंज प्रतियोगिता मे 20 छात्रों ने लिया हिस्सा

संवाददाता–देवरिया। संत विनोबा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को अंतरू महाविद्यालयी शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. अर्जुन मिश्रा ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रतियोगिता में 20 छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। बालक वर्ग में एलएलबी तृतीय वर्ष के सिद्धिविनायक गोंड ने स्वर्ण पदक जीता। बीए द्वितीय वर्ष के आकाश को रजत पदक मिला। बालिका वर्ग में बीकॉम द्वितीय वर्ष की सिद्धि बरनवाल ने स्वर्ण और एलएलबी तृतीय वर्ष की स्नेहा ने रजत पदक हासिल किया। शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. मंतोष कुमार मौर्य की देखरेख में प्रतियोगिता संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि शतरंज खिलाड़ियों में रचनात्मकता और समस्या समाधान की क्षमता बढ़ाता है। डॉ. तूलिका पांडे, डॉ. अभिनव चौबे, डॉ. उर्वशी पचेरिया, डॉ. पुनीत सिंह और डॉ. निखिल गौतम सहित अन्य शिक्षकों ने विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

बैडमिन्टन के सफल खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। श्रीकृष्ण पाण्डेय इंटर कॉलेज सभाकक्ष में मंगलवार को माध्यमिक विद्यालयों की मंडलीय बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रधानाचार्य योगेश शुक्ल ने विजेताओं को मेडल पहनाकर प्रोत्साहित किया। साथ ही 9,10,11 सितंबर को बरेली में आयोजित राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए खूब अभ्यास करने का सुझाव दिया।

अंडर– 17 बालक वर्ग की प्रतियोगिता में संतकबीरनगर जनपद के खिलाड़ी वैभव त्रिपाठी, आदित्य कुमार, राहुल और गणेश विजेता रहे। उपविजेता श्रीकृष्ण पाण्डेय इंटर कॉलेज बस्ती के आंशिक कुमार, अभिषेक कुमार और विष्णु घोषित किए गए। अंडर –19 बालक वर्ग में बस्ती जनपद के खिलाड़ी हिरण,अनुराग कुमार और सुन्दरम गौड़ विजेता बने।

आयोजक प्रधानाचार्य ने प्रतियोगिता की शुरुआत में सभी प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर उत्साहित किया। कहा कि छात्र छात्राओं के चतुर्दिक विकास के लिए खेल अत्यंत आवश्यक है इसी लिए विद्यालयी शैक्षिक पंचांग में भी खेलों को पर्याप्त समय दिया जाता है। निर्णायक डा सुनील कुमार विश्वकर्मा, अमरजीत वर्मा व बाबू दौलतराम रहे। बस्ती के क्रीड़ा सचिव अमित यादव ने कहा कि बस्ती मंडल के सभी विजेताओं को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग के लिए बरेली ले जाया जाएगा।

कार्यक्रम में सुनीता पाण्डेय,देवेन्द्र तिवारी,अजय कुमार,कृष्ण कुमार, अशोक कुमार पाण्डेय,सुभाष चन्द्र चौधरी,विकास सिंह, रमेश गुप्ता संदीप पाण्डेय,ओमनारायण शुक्ल, राजेश सिंह, रमेश चौधरी तथा महेंद्र उपस्थित रहे।

डीएम ने की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। जिलाधिकारी ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए विशेष निर्देश दिए। आरसीएच पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं का शत–प्रतिशत पंजीकरण करने को कहा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को जिला अस्पताल का नियमित और निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉक्टरों को समय पर उपस्थित रहने की कड़ी हिदायत दी गई। प्रसव के बाद महिलाओं को समय पर धनराशि का भुगतान सुनिश्चित करने को कहा गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जन्मजात दोष वाले बच्चों की पहचान और उपचार पर जोर दिया गया।

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को चिह्नित कर प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान के दौरान उनका उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक उपकेंद्रों को प्रसव केंद्र के रूप में विकसित करने की बात कही गई।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने कहा कि श्रावस्ती के हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, यह प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को इस लक्ष्य को पूरी लगन और समर्पण से पूरा करने का निर्देश दिया।

संगठन की मजबूती के लिए गांव–गांव भेजी जाएगी टोली –जितेन्द्र

संवाददाता–बलरामपुर। मथुरा बाजार कस्बा स्थित दयानन्द बाल विद्या मन्दिर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में चार मण्डलों की संयुक्त बैठक आयोजित की गयी। जिला प्रचारक ने लोगों को संघ की विचारधारा को विस्तृत रूप से बताया। जिला प्रचारक जितेन्द्र कुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के लिए गांव–गांव में टोली बनाकर भेजी जाएगी। आगामी दो अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना दिवस को लेकर चर्चा की गयी। कहा कि संघ अपने शताब्दी वर्ष में प्रत्येक ग्राम सभा में शाखा संपर्क अभियान के तहत शिवपुरा के सभी परिवारों में स्वयंसेवक के लोग पहुंचेंगे। प्रत्येक न्याय पंचायत पर हिंदू सम्मेलन किया जाएगा। इसके लिए विशेष टोली गठित की गई है। मौजूद लोगों से पांच परिवर्तन के मंत्र को बताया गया। जिसमें पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य, सामाजिक सद्भाव, स्वदेशी का जागरण और धर्म जागरण विषय को लिया गया है। बैठक में सह संघ संचालक लक्ष्मी नारायण, समग्र ग्राम प्रमुख उमाकांत तिवारी, कृषक प्रमुख संचित राम, जिला संयोजक संजय, खंड कार्यवाहक माता प्रसाद, शिवपुरा मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र, मथुरा मंडल अध्यक्ष बुद्धिसागर अवस्थी, राघवराम पाण्डेय, अरविंद अवस्थी, बाबादीन आर्य, गोविंद पाठक, कैलाश नाथ कसौधन आदि लोग मौजूद रहे।

फंदे से लटका मिला किशोरी का शव

संवाददाता–महराजगंज। सदर कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम सभा कटहरा में एक किशोरी का शव मिला है। कटहरा निवासी रामबेलाश निषाद की नतिनी सुनीता सोमवार शाम से लापता थी। मंगलवार को उसका शव आम के बगीचे में पेड़ से लटका मिला।

खेत में काम करने निकले ग्रामीणों ने शव को देखा और इसकी सूचना दी। बागापार चौकी इंचार्ज मनीष कुमार पटेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

चौकी इंचार्ज ने बताया कि मृत्यु के सही कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। उन्होंने कहा कि तहरीर मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। परिजन सोमवार शाम से ही किशोरी की तलाश कर रहे थे।

पुलिस ने अपराधियों को थाने बुलायाः सुधरने की शपथ दिलाई, परेड करवाई गई

संवाददाता–देवरिया। पुलिस ने एक विशेष अभियान के तहत संपत्ति संबंधी अपराधों में शामिल अपराधियों का थाना स्तर पर सत्यापन किया। चोरी, लूट, वाहन चोरी और नकबजनी में सक्रिय अपराधियों को थानों पर बुलाया गया। उनकी परेड कराई गई और कड़ी निगरानी की गई। पुलिस अधिकारियों ने अपराधियों के इतिहास की समीक्षा की। साथ ही उनकी वर्तमान गतिविधियों का रिकॉर्ड अपडेट किया। अपराधियों को सामाजिक जिम्मेदारी और ईमानदारी से जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें भविष्य में आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की शपथ दिलाई गई।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी। दोबारा अपराध में शामिल पाए जाने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान अपराधियों को सुधार का अवसर देने के साथ उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास है। एसपी विक्रान्त वीर ने कहा कि देवरिया में अपराध और अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। पुलिस निरंतर निगरानी, गश्त और तकनीकी संसाधनों से अपराधियों पर नजर रख रही है। पुलिस प्रशासन सुधारात्मक सहयोग और कठोर कानूनी कार्रवाई का दोहरा रुख अपना रहा है। इससे आमजन में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत होगी।

पशु चिकित्सक के पद खाली, कैसे हो बेजुबानों का इलाज

संवाददाता–गोण्डा। जिले में इंसानों के साथ बेजुबानों के इलाज के लिए लोगों को नाकों चने चबाने पड़ते हैं। बेजुबानों के इलाज में पशु चिकित्सकों की कमी सबसे बड़ी बाधा है। वक्त बदलने के साथ पशुधन की कीमत बढ़ गई है। समय से और समुचित इलाज के अभाव में मवेशी दम तोड़ देते हैं। गोण्डा। जिले में बदलते समय में पशु तरह–तरह की बीमारी की चपेट में आने लगे हैं। शासन–प्रशासन की अनदेखी पालतू पशुओं के लिए समस्या बन रही है। चिकित्सकों और स्टॉफ की कमी के चलते बेजुबानों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता है। जिले के पशु अस्पतालों में चिकित्सकों सहित अन्य कर्मचारियों की कमी होने से पशुओं के इलाज में बड़ी समस्या हो रही है।

जिला स्तर से कई बार चिकित्सकों की तैनाती के लिए पत्राचार किया गया है लेकिन हुआ कुछ नहीं। मौजूदा समय में एक चिकित्सक के सहारे आधा दर्जन से ज्यादा पशु अस्पताल हैं। इसके अलावा गोशाला में संरक्षित मवेशियों की देखभाल की जिम्मेदारी भी इन्हीं चिकित्सकों के कंधे पर है। जिले में 131 गोशालाएं संचालित हैं। इनमें करीब 26 हजार से अधिक मवेशी संरक्षित हैं। इनकी देखभाल करने में चिकित्सकों को बड़ी समस्या होती है। जिले में 20 वीं पशु जनगणना में 11 लाख से अधिक मवेशी गिने गए थे। पशुपालकों का कहना है कि बीमार मवेशी का इलाज कराने के लिए हम लोगों को कई बार झोलाछाप का सहारा लेना पड़ता है। अस्पताल में पर्याप्त संसाधन तक नहीं है। जिले की चार तहसीलों में उपमुख्य पशु चिकित्साधिकारी के पद स्वीकृत है। इसमें एक पद खाली है जिसमें तीन की तैनाती है। मुख्य तकनीकी अधिकारी का एक पद रिक्त पड़ा हुआ है। पशु चिकित्साधिकारी के 32 पदों के सापेक्ष 14 पर तैनात है। जिले में 18 पशु चिकित्सकों के पद रिक्त है। वहीं, पशुधन प्रसार अधिकारी के 44 पदों के सापेक्ष 18 पद रिक्त है। इसके अलावा चीफ वेटरनरी फार्मासिस्ट का एक पद भी खाली है। वेटरनरी फार्मासिस्ट के 34 पदों के सापेक्ष 13 पर ही तैनाती है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक 21 पद रिक्त हैं । जबकि चतुर्थ श्रेणी के 107 स्वीकृत पदों के सापेक्ष 69 पद रिक्त हैं। ड्रेसर के तीन पद स्वीकृत हैं जिसमें दो पर तैनाती है। एक चिकित्सक के भरोसे दो पशु अस्पताल सदर तहसील में 13 पशु अस्पताल और 15 पशु सेवा केंद्र संचालित है। तहसील क्षेत्र में सिर्फ पांच पशु चिकित्सक ही तैनात हैं। आठ चिकित्सकों के पद रिक्त हैं। विभागीय आंकड़ों पर गौर करें तो स्टाफ की कमी बड़ी समस्या बनी हुई है। सदर तहसील क्षेत्र में 40 गो आश्रय स्थल और एक कांजी हाउस संचालित है। इनमें रखे गए छुट्टा मवेशियों की स्वास्थ्य प्रशिक्षण की जिम्मेदारी सिर्फ पांच चिकित्सकों के कंधे पर है। इन गोशालाओं में करीब सात हजार मवेशी हैं। जिनकी देखभाल की जाती हैं। बताया जाता हैं कि झंझरी में आठ गोशालाओं में करीब दो हजार मवेशी हैं। पड़री कृपाल ब्लॉक क्षेत्र में सात गोशालाएं हैं। रोस्टर के हिसाब से चिकित्सकों की लगाई जाती ड्यूटी जिले की सदर तहसील अंतर्गत पशु अस्पतालों और पशु सेवा केंद्रों पर कर्मियों की कमी बड़ी समस्या बनी हुई है।

बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने मारी ठोकर, एक की मौत, तीन घायल

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र के महुआनी के समीप बारीपुर मंदिर से पूजा कर लौट रहे बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया। जिससे एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन युवक घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बरियारपुर थाना क्षेत्र के बिशनपुर कला के रहने वाले इशांत कुमार (18) पुत्र राजू शर्मा, मोहित कुमार, विपिन चौहान, अरुण चौहान दो बाईक से बारीपुर हनुमान मंदिर पूजा करने के लिए मंगलवार को गए थे। लौटते समय महुआनी के समीप अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया।

जिसमे इशांत की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन घायल हो गए। घायलों में अरुण की हालत गंभीर है, उसे बीआरडी मेडिकल कालेज चिकित्सक ने रेफर कर दिया है।

वकीलों का आंदोलन जारी, निबंधन दर बढ़ोतरी के विरोध में पांचवें दिन भी कोर्ट का काम ठप

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। निबंधन दरों में की गई बढ़ोतरी के खिलाफ अधिवक्ताओं का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। शुक्रवार से शुरू हुआ यह आंदोलन मंगलवार को पांचवें दिन भी पूरी ताकत के साथ जारी रहा। जिला मुख्यालय स्थित निबंध कार्यालय के मुख्य गेट पर अब भी ताला लटका हुआ है और पूरे जिले में अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते न्यायिक कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं। तहसील बार एसोसिएशन सिद्धार्थनगर के अध्यक्ष गणेश मणि त्रिपाठी और महामंत्री अब्दुल हक के नेतृत्व में अधिवक्ता रोजाना लामबंद होकर नारेबाजी कर रहे हैं। अधिवक्ताओं का कहना है कि निबंधन दरों में की गई यह वृद्धि न सिर्फ पूरी तरह से मनमानी है, बल्कि जनता पर आर्थिक बोझ डालने वाला निर्णय है। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्धार्थनगर प्रशासन ने बार एसोसिएशनों की आपत्तियों और सुझावों को दरकिनार कर एकतरफा तरीके से यह आदेश लागू किया है। जिला बार एसोसिएशन की अध्यक्षता कर रहे सत्यदेव सिंह एडवोकेट और महासचिव सुशील कुमार मणि त्रिपाठी ने कहा कि जब तक निबंधन दरों की बढ़ोतरी को वापस नहीं लिया जाएगा, आंदोलन जारी रहेगा। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि सिद्धार्थनगर प्रशासन ने शीघ्र निर्णय वापस नहीं लिया तो आंदोलन और उग्र होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिवक्ता न्यायालय के कार्य से पूर्ण रूप से विरत रहेंगे और आवश्यकता पड़ी तो आम जनता को साथ लेकर सड़क पर उतरकर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करेंगे। इस बीच अधिवक्ता जितेंद्र त्रिपाठी ने भी आंदोलन को और धार देते हुए कहा कि यदि अधिवक्ताओं की मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो हड़ताल और भी लंबे समय तक चलेगी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि "अगर हमारी मांगे पूरी नहीं होती हैं तो हम और भी व्यापक आंदोलन करेंगे और हमारा हड़ताल जारी रहेगा। अधिवक्ताओं का कहना है कि यह केवल अधिवक्ताओं की लड़ाई नहीं है, बल्कि आम जनता के हक और अधिकार की लड़ाई है। निबंधन दरों में हुई वृद्धि से गरीब और मध्यम वर्ग की आर्थिक स्थिति पर सीधा असर पड़ेगा। जमीन—जायदाद की रजिस्ट्री कराने में उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा। वहीं दस्तावेज लेखन और स्टाम्प विक्रेता भी इस निर्णय से प्रभावित होंगे। इस दौरान संरक्षक नगेंद्र नाथ चतुर्वेदी, अध्यक्ष गणेश मणि त्रिपाठी, महामंत्री अब्दुल हक, उपाध्यक्ष अतहर जमाल, सूचना मंत्री जितेंद्र त्रिपाठी, वरिष्ठ अधिवक्ता सनाउल्लाह खान, यार अली सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर आंदोलन को और तेज करने का संकल्प लिया।

गृहकलह में महिला ने फंदे से लटक कर दे दी जान

संवाददाता—गोरखपुर। बांसगांव थाना क्षेत्र के कौड़ीराम चौकी क्षेत्र के धस्का में 30 वर्षीया विवाहिता की मंगलवार को फंदे से लटकता शव मिला। चर्चा है कि महिला ने पारिवारिक विवाद में यह कदम उठाया है। मायके वालों ने पति पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार सिकरीगंज थाना क्षेत्र के बढ़यापार निवासी आद्याप्रसाद कन्नौजिया की पुत्री सोनी का विवाह छह वर्ष पूर्व बांसगांव थाना क्षेत्र के धस्का निवासी रामगोपाल कन्नौजिया पुत्र तूफानी कन्नौजिया से हुआ था। दोनों के दो बच्चे आराध्या (05 वर्ष) व स्वास्तिक (01 वर्ष) हैं। चर्चा है कि पति—पत्नी के बीच कई दिनों से कलह चल रही थी।

इसी बीच मंगलवार को पत्नी सोनी की घर में चुन्नी पर लटका शव मिला। मायके से पहुंची बड़ी बहन अंजू देवी, चचेरे भाई दिलीप, अनिल व शिवम कन्नौजिया ने पति पर गला दबाकर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नकबजनी करने वाले 5 चोर गिरफ्तार, जेवरात, नगदी और बाइक बरामद

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। पुलिस ने नकबजनी करने वाले एक संगठित गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गिरोह नेपाल भागने की तैयारी में है। इस पर भारत माता तिराहे के पास एक निर्माणाधीन मकान में दबिश दी गई। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि वे दिन में गांव और कस्बों के किनारे बने मकानों की रेकी करते थे। बंद घरों को चिह्नित कर रात में वहां चोरी करते थे। चोरी का माल नेपाल ले जाकर बेचते और रुपए आपस में बांट लेते थे। पुलिस ने आरोपियों से सोने—चांदी के जेवर बरामद किए हैं। इनमें अंगूठियां, मांग टीका, मक्खी, मंगलसूत्र, नाक की कील, कर्धनी, पाजेब, पायल और बिछिया शामिल हैं। इसके अलावा 20 हजार रुपए नगद, दो मोबाइल फोन और एक बिना नंबर की अपाचे मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। सदर ट्रेनिंग आईपीएस विश्वजीत सौरयान ने बताया कि जांच में सामने आया है कि जगदीशपुर राजा और रेहरा में हाल ही में हुई चोरियों को भी इसी गिरोह ने अंजाम दिया था। इन वारदातों से इलाके में दहशत फैली हुई थी। जिसमें 5 आरोपियों को पकड़कर जेल भेज दिया गया है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान नायब तहसीलदार कुदरहा जिला—बस्ती
नम्बर मुकदमा 1309/
कं0वाद सं0—T202117140313965
राम सुधारे
बनाम
अमिरता देवी आदि

1.राम सुधारे पुत्र बुलबुल साकिन बैदाकला तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 2. अमिरता देवी कथित पत्नी सीताराम साकिन परेव तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 05—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान नायब तहसीलदार कुदरहा जिला—बस्ती
नम्बर मुकदमा 437
कं0वाद सं0—T201917140302411
श्रीमती आरती देवी
बनाम
प्रेमसागर आदि

1.श्रीमती आरती देवी पत्नी लालचन्द्र साकिन रेवली तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 2. प्रेमसागर उर्फ प्रेमचन्द्र पुत्र जयकरन साकिन रामपुर तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 06—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद संख्या 97/2016
श्रीमती अंजनी शुक्ला
बनाम
कन्हैया लाल आदि

3. परशुराम उम्र 40 वर्ष 4. शिवपूजन उम्र 35 वर्ष पुत्रगण जगनरायन निवासी ग्राम औसापुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील बस्ती पोस्ट वाल्टरगंज जिला बस्ती

तारीख पेशी 29—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

पेट्रोल पंप पर घटतौली को लेकर विवाद

संवाददाता—संतकबीरनगर। नेशनल हाईवे—28 पर स्थित भारत पेट्रोल पंप पर डीजल भरने को लेकर विवाद हुआ। उमिला गांव के निवासी विजय पाठक अपनी ग्रैंड आई टेन कार लेकर पंप पर पहुंचे। जहां फ्यूल मैन ने कार में 49.50 लीटर डीजल भर दिया। जिसका भुगतान ग्राहक ने ऑनलाइन कर दिया। विजय पाठक ने आपत्ति जताई कि उनकी कार की टंकी की क्षमता जबकि उससे कम है। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने बांट माप विभाग के अधिकारियों को भी सूचित किया। विभाग के अधिकारियों ने जांच के लिए कार की टंकी से पूरा तेल निकलवाया। जांच में टंकी से कुल 44 लीटर डीजल निकला। ग्राहक ने बताया कि टंकी में पहले से कुछ डीजल मौजूद था। बांट माप विभाग के अधिकारियों ने पुष्टि की कि फ्यूल मैन द्वारा बताई गई मात्रा से कम डीजल पाया गया। अधिकारियों ने मशीन को सील करने की कार्रवाई की और पंप प्रबंधन को सूचित किया गया। वहीं इस मामले में बाट माप अधिकारी आरसी वर्मा ने बताया शिकायत को संज्ञान में लेकर कार्रवाई की जा रही है।

गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस में समितियों के बीच हुई मारपीट

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के मगहर में गणेश पूजा समापन पर गजानन की विदाई सोमवार की रात गाजे—बाजे के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। गणेश प्रतिमाओं के नगर भ्रमण के दौरान डीजे को आगे पीछे की बात को लेकर समिति के लोग आपस में भिड़ गए और मामला मारपीट तक पहुंच गया। इससे नाराज समितियों के सदस्य सभासद के नेतृत्व में काजीपुर चौराहे पर शोभायात्रा रोक कर धरने पर बैठ गए। घटना की जानकारी होने पर एसडीएम सदर और सीओ सदर मौके भारी पुलिस बल के साथ पहुंच गए। उनके काफी समझाने और आरोपियों पर कार्रवाई करने के आश्वासन पर दो घंटे बाद मूर्ति विसर्जन के लिए ले जाने पर राजी हुए।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद संख्या 1365/2021
श्रीमती बदामा देवी
बनाम
लक्ष्मी प्रसाद

1. लक्ष्मी प्रसाद पुत्र सरजू प्रसाद ग्राम छपिया बुजुर्ग तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
—प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. रिंकू चौरसिया पुत्र रामकृष्ण चौरसिया ग्राम हवेली खास परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
—प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
3. दिनेश पुत्र श्रीराम 4. उमेश पुत्र श्रीराम निवासीगण ग्राम छपिया बुजुर्ग तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 5. कन्हैया पुत्र रामलखन ग्राम कोठवाभरतपुर तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला—बस्ती
—प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 15—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 29 माह 08 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 296/2024
न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान—बांसी जिला—सिद्धार्थनगर
शारदा देवी
बनाम
रामकोमल आदि

1. कथित शारदा देवी पत्नी अम्बिका साकिन हाल मुकाम तालडड़िया तप्पा हाता परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला—सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 20—09—2025

वादी ने आपके विरूद्ध आज्ञापक आदेश के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **20—09—2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 02.09. 2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद संख्या 22/2024
श्याम बली सिंह
बनाम
माता प्रसाद आदि

1— माता प्रसाद उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र सुबरन 2— नपत उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र झींगुर 3— बुझारत उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्र मुन्नी 4— धन्नेलाल उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र जोखू 5— राम कृपाल उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र श्री राम 6. चेतई उम्र लगभग 53 वर्ष पुत्र रामबरन 7— संन्तराम उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र मोती निवासीगण ग्राम चिलवनिया तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती।
—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
8— हरीराम उम्र लगभग 75 वर्ष पुत्र लक्ष्मन 9— ज्ञानमती उम्र लगभग 70 वर्ष पत्नी स्व० जयराम निवासी गण ग्राम टेंगरिहा राजा तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती पोस्ट कुदरहा पिन कोड 272301
—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 29—10—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 134/2024
लालबहादुर त्रिपाठी—सायलान

1. लालबहादुर त्रिपाठी उम्र लगभग 49 साल पुत्र स्व0 श्रीराम त्रिपाठी निवासी अस्पताल चौराहा थाना व पोस्ट पुरानी बस्ती जनपद—बस्ती पिनकोड नं—272002 2. मालती देवी उम्र लगभग 47 साल पत्नी सुधीर कुमार पुत्री स्व0 श्रीराम त्रिपाठी 3. त्रिपुरारी त्रिपाठी उम्र लगभग 46 साल पुत्र स्व0 श्रीराम त्रिपाठी निवासी ग्राम भैसहिंया पोस्ट दुधौरा जनपद बस्ती

तारीख पेशी 04—09—2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 04—09—2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद संख्या 21/2024
श्याम बली सिंह
बनाम
सूर्य नरायन सिंह आदि

1— सूर्य नरायन सिंह उम्र लगभग 68 वर्ष पुत्र बद्री सिंह 2— दिलीप सिंह उम्र लगभग 40 वर्ष 3— शेष नाथ सिंह उम्र लगभग 50 वर्ष 4— जंग शेर सिंह उम्र लगभग 35 वर्ष 5— जशवन्त सिंह उम्र लगभग 32 वर्ष 6— बलवन्त सिंह उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्रगण स्व० काशी सिंह 7— चन्द्रावती सिंह उम्र लगभग 80 वर्ष पत्नी स्व० काशी सिंह 8— त्रिभवन सिंह उम्र लगभग 68 वर्ष 9— परमहन्स सिंह उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्रगण राम चेत सिंह 10— हनुमान सिंह उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र जगदीश सिंह निवासीगण ग्राम ईजरगढ़ तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती। पोस्ट छरदही पिन कोड 272301 11— देव मणि सिंह उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र कन्हैया सिंह निवासी ग्राम चिलवनियो तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती पोस्ट छरदही पिन कोड 272301

तारीख पेशी 29—10—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

चन्द्रग्रहणः सात सितंबर को भारत में पड़ेगा ग्रहण, नहीं हो सकेंगे रामलला के दर्शन

संवाददाता—अयोध्या। सात सितंबर को लगने वाले चंद्र ग्रहण के चलते रामनगरी की धार्मिक दिनचर्या पर बड़ा असर पड़ेगा। दोपहर 12:57 बजे से सूतक लग जाएगा। इसके चलते दोपहर बाद से रामलला के दर्शन बंद हो जाएंगे। सूतक लगने के साथ ही राम मंदिर समेत अयोध्या धाम के प्रमुख मठ—मंदिरों के कपाट श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाएंगे। ग्रहण की समाप्ति के बाद विधि—विधान से शुद्धिकरण होगा। इसके बाद आठ सितंबर की सुबह से श्रद्धालु फिर रामलला और अन्य देवालयों के दर्शन कर सकेंगे। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि ग्रहण काल में मंदिरों के कपाट बंद रखना सनातन परंपरा का हिस्सा है। इस अवधि में श्रद्धालु घर पर रहकर मंत्र—जप, भजन—कीर्तन और धार्मिक पाठ का आयोजन कर पुण्य लाभ अर्जित कर सकते हैं।

ज्योतिषाचार्य पं. प्रवीण शर्मा बताते हैं कि जब चंद्रमा, पृथ्वी व सूर्य एक सीधी रेखा में आ जाते हैं तो इस दौरान सूर्य का प्रकाश धरती पर तो पड़ता है लेकिन चंद्रमा पर नहीं पड़ता है। इससे पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है। इस खगोलीय घटना को ही चंद्रग्रहण कहते हैं। इस बार चंद्रग्रहण भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि सात सितंबर को कुंभ राशि और पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र में लग रहा है। चंद्रग्रहण का स्पर्श रात नौ बजकर 57 मिनट पर होगा, मध्य रात 11:42 पर और मोक्ष रात 01:27 पर होगा। ग्रहण पूरे देश में दृश्य होगा। चंद्र ग्रहण का सूतक काल नौ घंटे पहले शुरू हो जाएगा। चंद्रग्रहण का सूतक काल दिन में 12:57 से शुरू होगा।

उन्होंने बताया कि यह ग्रहण कुंभ राशि में स्थित है। यानी चंद्रमा और राहु की युति कुंभ राशि में हो रही है। शनि प्रवर्तित नक्षत्र पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में है। इससे एक विशेष ग्रहण योग बन रहा है। इसे ज्योतिष में राहु—चंद्र योग कहा जाता है। ग्रहण के दौरान सूर्य—केतु की कन्या राशि में है, जिससे यह माना जाता है कि ग्रहण की ऊर्जा कुछ राशियों पर विशेष प्रभाव दिखा सकती है।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद संख्या 51/2020
श्रीमती कृष्णावती
बनाम
ठाकुर प्रसाद आदि

3/1 शान्ती देवी पत्नी विसम्भरनाथ उपाध्याय 3/2 रविन्द्रनाथ उपाध्याय पुत्र विसम्भरनाथ उपाध्याय साकिनान मौजा मधवापुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा हाल मुकाम ग्राम हवेली खात तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 26—09—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 26 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद संख्या 581/2022
श्यामबली सिंह
बनाम
छोटेलाल आदि

1— छोटेलाल उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्र मतानू 2— राधेश्याम उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र नगई निवासीगण ग्राम सिकन्दरपुर तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 06—11—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

लोहे की छड़ से लटका मिला युवक का शव

संवाददाता—संतकबीरनगर। बेलहर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक युवक का शव उसके घर की छत से निकली लोहे की छड़ से लटका मिला। मृतक की पहचान सोनू के रूप में हुई है। युवक का शव घर के पीछे छत से निकाली सारिया से फंदे पर लटकता शव मिला। थानाध्यक्ष अनिल कुमार के अनुसार, मृतक के पिता सुखई ने पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि उनका बेटा शराब का आदी था। सोनू ने नीले रंग के गमछे का उपयोग कर छत से निकले सरिये से लटककर अपनी जान दे दी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है।

टॉफी का लालच देकर किशोरी से दुष्कर्म का आरोप

संवाददाता—संतकबीरनगर। कोतवाली क्षेत्र में एक किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। किशोरी अपनी मां के साथ ननिहाल आई हुई थी। बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला राजू (22) नाम का युवक उसे टॉफी और बिस्कुट का लालच देकर अपने घर ले गया। आरोपी ने किशोरी को दूसरी मंजिल पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। फिर उसे धमकी देकर छोड़ दिया। कहा कि किसी से बताओगी तो जान से मार देंगे। आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद से बच्ची गुमसुम रहने लगी। उसकी तबियत भी बिगड़ने लगी। सोमवार की शाम को मां ने जब बच्ची से पूछताछ की, तो उसने पूरी घटना बताई। पीड़िता की मां ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com